राजस्थान जनजातीय आंदोलन

चर्चा में क्यों?

दक्षिणी राजस्थान के जनजाति बहुल क्षेत्रों में एक लोकप्रिय आंदोलन स्वदेशी बीज किस्मों **को संरक्षित** करने के लिये कार्य कर रहा है, जिनमें से अधिकांशतः विलुप्त होने के कगार पर हैं। यह प्रयास **फसल विविधता** को बढ़ावा दे रहा है और **जलवायु लचीलापन** बढ़ा रहा है

मुख्य बिंदु:

- **राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के ट्राइ-जंक्शन पर स्थित जनजातीय क्षेत्र** में लगभग 1,000 गाँवों तथा बस्तियों से हज़ारों जनजातीय लोगों ने **बीज महोत्सवों** की शृंखला में भाग लिया।
  - बीज महोत्सव में **पारंपरिक बीजों का प्रदर्शन** किया गया तथा **उनके गुणों और महत्त्व पर संवादात्मक सत्र आयोजित किये गए।**
  - जनजातियों को कई पीढ़ियों से चली आ रही **कृषि प्रथाओं के माध्यम से जैवविविधता की अपनी समृद्ध विरासत की रक्षा** करने के लिये प्रोत्साहित किया गया।
- कृषि क्षेत्र में **बहुराष्ट्रीय कंपनियों** के बढ़ते प्रभाव के बीच **स्वदेशी बीज** जनजातीय समुदायों द्वारा संरक्षित एक महत्त्वपूर्ण विरासत है।
- बाँसवाड़ा स्थित स्वैच्छिक समूह **वागधारा बीज उत्सव कार्यक्रमों का मुख्य आयोजक** था, जिसे **अन्य** जनजाति अधिकार समूहों, जैसे- **कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन, ग्राम स्वराज समूह, सक्षम समूह और बाल स्वराज** द्वारा सुविधा प्रदान की गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-tribal-movement